# ICAR–NINFET Inaugurates National Natural Fibre Festival (NNFF)–2026 along with 88th Foundation Day Celebrations

January 3, 2026, Kolkata:

The ICAR–National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology (NINFET), Kolkata, inaugurated its landmark event, the National Natural Fibre Festival (NNFF)–2026, in conjunction with the 88th Foundation Day of the Institute at its campus today. The occasion marked a significant milestone in advancing research, innovation, and outreach in the field of natural fibres.

The programme was graced by Shri Sandeep Sarkar, Additional Secretary (DARE) and Financial Advisor, ICAR, as the Chief Guest. Several eminent dignitaries attended as Guests of Honour, including Dr. K. Narsaiah, ADG (PE); Dr. B.K. Deka, Vice-Chancellor, Assam Agricultural University, Jorhat; Dr. B.K. Das, Director, ICAR–CIFRI, Barrackpore; Dr. G. Kar, Director, ICAR–CRIJAF, Barrackpore; Dr. Mihir Sarkar, Director, ICAR–NRC on Yak, Arunachal Pradesh; and Dr. Pradip Dey, Director, ICAR–ATARI, Kolkata.

In his welcome address, Dr. D.B. Shakyawar, Director, ICAR–NINFET, warmly welcomed the dignitaries, participants, and organizing team members. He highlighted the Institute's key achievements during the past year and urged the farming community to adopt emerging and innovative technologies to enhance productivity and ensure sustainable livelihoods.

Addressing the gathering, Shri Sandeep Sarkar noted that India is a global leader in natural fibre production. He congratulated ICAR–NINFET scientists for their outstanding contributions and emphasized the need to popularize indigenous technologies on the global agricultural platform.

Dr. B.K. Das spoke on the growing interest in natural fibre–based agriculture and allied sectors, highlighting research linkages with prebiotic and probiotic applications. Dr. G. Kar described jute as the "golden fibre," underscoring its role in reducing carbon footprints and strengthening the national economy. Dr. B.K. Deka advocated replacing plastic mulching with natural fibre–based alternatives and highlighted fibre extraction from unused plant leaves such as pineapple as a revolutionary concept, expressing interest in collaborative research.

Dr. K. Narsaiah emphasized blended fibre technologies, value addition, and diversification, while Dr. Mihir Sarkar highlighted the future potential of animal and natural fibre–blended products. Dr. Pradip Dey stressed ICAR–NINFET's role in post-harvest technologies and assured strong support for technology transfer through KVKs.

The event also witnessed the release of documentary films, publications, and the ICAR–NINFET Annual Excellence Awards.

Continuing the Foundation Day celebrations, the 6th National Conference on "Innovations in Natural Fibres in the Context of Industry and Agriculture 5.0" was inaugurated. The conference has drawn 97 participants from across India and features 86 oral and poster presentations covering advancements, future strategies, mechanization, processing, value addition, and value chain management of natural fibres.

The programme concluded with a vote of thanks delivered by Dr. L. Ammayappan, Principal Scientist and Organizing Secretary, NNFF–2026.

*(Source: ICAR–National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)*

# आईसीएआर-निनफेट में राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा महोत्सव (NNFF)–2026 एवं 88वां स्थापना दिवस समारोह का भव्य शुभारंभ

*3 जनवरी, 2026, कोलकाता:*

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईसीएआर-निन्फेट), कोलकाता ने आज अपने परिसर में संस्थान के **88वें स्थापना दिवस** के अवसर पर अपने ऐतिहासिक कार्यक्रम **"राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा महोत्सव (NNFF)–2026"** का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर श्री संदीप सरकार, अपर सचिव (DARE) एवं वित्तीय सलाहकार (ICAR) ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में डॉ. के. नरसैया, एडीजी (पीई); डॉ. बी.के. डेका, कुलपति, असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट; डॉ. बी.के. दास, निदेशक, आईसीएआर-सिफरी, बैरकपुर; डॉ. जी. कर, निदेशक, आईसीएआर-क्रीजफ, बैरकपुर; डॉ. मिहिर सरकार, निदेशक, आईसीएआर-एनआरसी ऑन याक, अरुणाचल प्रदेश; तथा डॉ. प्रदीप डे, निदेशक, आईसीएआर-अटारी, कोलकाता ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता की।

स्वागत भाषण में डॉ. डी.बी. शाक्यवार, निदेशक, आईसीएआर-निन्फेट ने सभी गणमान्य अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने संस्थान की विगत एक वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों को प्रस्तुत करते हुए कृषक समुदाय से नवीन एवं उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाकर धारणीय आजीविका की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि श्री संदीप सरकार ने अपने संबोधन में कहा कि भारत प्राकृतिक रेशा उत्पादन में विश्व का अग्रणी देश है। उन्होंने प्राकृतिक रेशा के क्षेत्र में आईसीएआर-निनफेट के वैज्ञानिकों की उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना की तथा आशा व्यक्त की कि यह प्रगति भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी। साथ ही, उन्होंने विकसित प्रौद्योगिकियों को वैश्विक कृषि मंच पर लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. बी.के. दास ने प्राकृतिक रेशा आधारित कृषि एवं मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में किसानों की बढ़ती रुचि पर प्रकाश डाला। डॉ. जी. कर ने जूट को "स्वर्ण रेशा" बताते हुए इसके कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में योगदान तथा राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में इसकी भूमिका को रेखांकित किया।

डॉ. बी.के. डेका ने आईसीएआर- निनफेट के वैज्ञानिकों को बधाई दी और प्लास्टिक मल्चिंग के स्थान पर प्राकृतिक रेशा आधारित मल्चिंग के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने अनानास जैसी अनुपयोगी पत्तियों से रेशा निष्कर्षण को क्रांतिकारी अवधारणा बताते हुए उपयोगकर्ता-अनुकूल मशीनरी के विकास की आवश्यकता पर बल दिया तथा आईसीएआर-निनफेट के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान में रुचि व्यक्त की।

डॉ. के. नरसैया ने मिश्रित रेशों के विकास, मूल्य संवर्धन एवं प्राकृतिक रेशों के विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित किया। डॉ. मिहिर सरकार ने पशु एवं प्राकृतिक रेशा आधारित मिश्रित उत्पादों की उज्ज्वल संभावनाओं पर प्रकाश डाला। डॉ. प्रदीप डे ने प्राकृतिक रेशों की कटाई उपरांत प्रौद्योगिकियों में आईसीएआर- निनफेट की भूमिका की सराहना करते हुए केवीके के माध्यम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर "आईसीएआर-निनफेट एट ए ग्लांस (2021–2026)" तथा "जूट आधारित जैव-अपघटनीय खाद" विषयक वृत्तचित्र फिल्मों का विमोचन किया गया। साथ ही वार्षिक प्रतिवेदन, समाचार पत्रिका, कैलेंडर, फ्लायर्स एवं हिंदी पत्रिका "देवांजलि" का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान आईसीएआर- निनफेट वार्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार सहायक, प्रशासनिक, तकनीकी कर्मचारियों एवं वैज्ञानिकों को प्रदान किए गए।

स्थापना दिवस समारोह को जारी रखते हुए, "उद्योग और कृषि 5.0 के संदर्भ में प्राकृतिक रेशों में नवाचार" पर छठे राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। इस सम्मेलन में पूरे भारत से 97 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और इसमें प्राकृतिक रेशों में प्रगति, भविष्य की रणनीतियों, मशीनीकरण, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और मूल्य श्रृंखला प्रबंधन को कवर करते हुए 86 मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ शामिल हैं।

कार्यक्रम का समापन डॉ. एल. अम्मयप्पन, प्रधान वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव, NNFF–2026 द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

*(स्रोत: आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)*

Glimpses of the Event: